हिंदी कक्ष के कार्य

- संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित करना और उक्त कार्य में उनका मार्गदर्शन और सहायता करना।
- भारत सरकार की राजभाषा कार्यान्वयन नीति के अनुपालन को संस्थान में सुनिश्चित करना।
- राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा निर्धारित वार्षिक लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रयास करना।
- संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक नियमित रूप से आयोजित करना।
- विभिन्न राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी समितियों की बैठक में संस्थान के प्रमुख सहित भाग लेना।
- संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षण संबंधी प्रबंध न कार्य करना एवं संसदीय राजभाषा समिति की सिफारिशों/निर्देशों को लागू करना।
- राजभाषा नीति के अनुसार शासकीय दस्तावेजों का द्विभाषी (हिंदी/अंग्रेजी) अनुवाद कार्य करना।
- संस्थान में हिंदी के प्रोत्साहन हेतु प्रतिवर्ष हिंदी पखवाड़े का आयोजन करना।
- हिंदी कार्यशालाओं/राजभाषा सम्मेलन इत्यादि का आयोजन करना।
- हिंदी में सरकारी कामकाज को बढ़ावा देने की दृष्टि से उदारीकृत प्रोत्साहन योजना लागू करना।
- संस्थान द्वारा राजभाषा क्रियान्वयन की दृष्टि से एक हिंदी पत्रिका 'जन स्वास्थ्य धारणा' का प्रकाशन करना।
- हिंदी के कर्मचारियों को हिंदी प्रशिक्षण हेतु नामित कर प्रशिक्षण के लिए भेजना।
- हिंदी में कार्यसाधक ज्ञान एवं प्रवीणता प्राप्त कर्मचारियों का विवरण तैयार करना।
- हिंदी के प्रोन्नयन और प्रोत्साहन के लिए यथानुमोदित सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं अन्य रचनात्मक प्रयास करना इत्यादि।

राजभाषा हिंदी संबंधी गतिविधियां (2023-24)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए संस्थान के निदेशक महोदय की अध्यक्षता में एक राजभाषा कार्यान्वयन समिति गठित की गई है। प्रतिवेदित अवधि में समिति की सभी बैठकें नियमित रूप से आयोजित की गईं। प्रतिवेदित अवधि की प्रत्येक तिमाही में हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन भी नियमित रूप से किया गया। इसके अतिरिक्त हिंदी संबंधी महत्वपूर्ण गतिविधियों का प्रतिवेदन यहां प्रस्तुत है:

हिंदी पखवाड़ा-2023 का आयोजन

संस्थान में दिनांक 14 सितंबर, 2023 से 29 सितंबर 2023 की अवधि के दौरान हिंदी पखवाड़ा-2023 का आयोजन किया गया था ,जिसके अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिता एं एवं कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन गतिविधियों का तिथिवार विवरण निम्नवत है:

संस्थान द्वारा 14 सितंबर , 2023 को **निदेशक महोदय की ओर से एक ई-अपील** जारी की गई। इस अपील के माध्यम से निदेशक महोदय ने संस्थान के सरकारी कामकाज में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करने की अपील की। 18सितंबर,2023 को टिप्पण एवं प्रारूपण लेखन प्रतियोगिता(हिंदी भाषी एवं हिंदीतर भाषी) का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में संस्थान के समूह 'ग' के कर्मचारियों ने भाग लिया।

20सितंबर, 2023 को हिन्दी निबंध प्रतियोगिता हिन्दी (हिंदी भाषी एवं हिंदीतर भाषी)का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में संस्थान के समूह 'ख' (गैर-अनुसंधान स्टॉफ) के अधिकारियों ने भाग लिया।

21सितंबर,2023को को हिन्दीवाद-प्रतिवाद प्रतियोगिता (हिंदी भाषी एवं हिंदीतर भाषी) का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निर्णायक के रूप में डॉ. श्रीधर द्विवेदी , नेशनल हार्ट इंस्टीट्यूट नई दिल्ली उपस्थित थे। इस प्रतियोगिता में संस्थान के संकाय सदस्य/अनुसंधान स्टाफ(आर.ओ./ए.आर.ओ.)/ समूह 'क' के अधिकारियों ने भाग लिया।

22 सितंबर, 2023 को हिन्दी श्रुतलेखन एवं शब्द ज्ञान प्रतियोगिताका आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में बहु कार्यकारी कर्मचारियों ने भाग लिया। 26 सितंबर, 2023 को हिंदी कवि-सम्मेलन का आयोजन किया गया,जिसमें कवि शंभू शिखर, उपेंद्र पांडेय और डॉ. गणेश शंकर श्रीवास्तव ने कव्यापाठ किया।

संस्थान में दिनांक 27 सितंबर , 2023 को **हिंदी पखवाड़ा पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह** का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक प्रोफेसर धीरज शाह ने की एवं मुख्य अतिथि के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय , नई दिल्ली के अंतर्राष्ट्रीय प्रभाग के निदेशक प्रोफेसर जितेंद्र श्रीवास्तव उपस्थित थे। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर धीरज शाह ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि अपना अधिकाधिक कार्य हिंदी में करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंदी अपनी भाषा है और इसके प्रयोग में कतई झिझक न करें। इस अवसर पर पधारे मुख्य अतिथि प्रोफेसर जितेंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि राजभाषा हिंदी में कार्य करना न सिर्फ हमारा संवैधानिक दायित्व है , अपितु नैतिक कर्तव्य भी है।समारोह में हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

कवि सम्मेलन का आयोजन

26 सितंबर, 2023 को राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में एक भव्य हिंदी कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में देश के प्रतिष्ठित कवियों श्री शंभू शिखर , श्री उपेंद्र पांडे और डॉ. गणेश श्रीवास्तव 'ऋषि' ने अपनी कविताओं से श्रोताओं का मन मोह लिया।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रोफेसर धीरज शाह ने हिंदी के कुछेक बड़े कवियों को उद्धृत करते हुए सभागार में उपस्थित श्रोताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा संस्थान में हिंदी गतिविधियों के अंतर्गत कवि सम्मेलन का आयोजन प्रारंभ करना एक महत्वपूर्ण शुरुआत है। प्रोफेसर शाह ने कहा कि कविता मनुष्य की भावनाओं की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम होती है , कविता के माध्यम से मनुष्य के व्यवहार का परिष्कार भी होता है।

कवि सम्मेलन में हास्य व्यंग्य के सशक्त हस्ताक्षर लोकप्रिय कवि शंभू शिखर ने हास्य रस की कविताएं सुनाकर श्रोताओं को हंसा- हंसा कर लोटपोट कर दिया। संवेदनशील कवि डॉ. गणेश श्रीवास्तव 'ऋषि' ने गीत-गजल एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़ी संवेदनशील रचनाएं सुनाकर श्रोताओं का मन मोह लिया। वीर रस के जनप्रिय कवि उपेंद्र पांडे ने ओज और शौर्य की कविताएं सुना कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मोनिका सैनी ने अत्यंत रचनात्मक ढंग से किया। धन्यवाद ज्ञापन संकाय प्रभारी डॉ. अंकुर यादव ने दिया।

संस्थान के निदेशक प्रोफेसर धीरज शाह ने पौधे एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर कवियों का अभिनंदन किया। कार्यक्रम में प्रोफेसर मनीष चतुर्वेदी सहित संस्थान के संकाय सदस्य , स्टाफ एवं आसपास के संस्थानों से पधारे श्रोतागण और मीडियाकर्मी उपस्थित थे। कवि सम्मेलन की रिपोर्ट को दूरदर्शन (डीडी न्यूज-डिजिटल) , अमर उजाला, पायनियर, सहजसत्ता, भारत संवाद इत्यादि प्रतिष्ठित मीडिया संगठनों द्वारा प्रकाशित किया गया।

हिंदी पखवाड़े के पुरस्कृत प्रतिभागी

निबंध प्रतियोगिता

हिंदीभाषी वर्ग

प्रथम पुरस्कार- डॉ. अनिल कुमार गुप्ता

द्वितीय पुरस्कार- सुश्री जीतू

तृतीय पुरस्कार- श्री पुरुषार्थ रमानी

प्रोत्साहन पुरस्कार- सुश्री शिखा सैनी

प्रोत्साहन पुरस्कार- डॉ. शिव प्रकाश कटियार

हिंदीतर भाषी वर्ग

प्रथम पुरस्कार- श्री अब्दुल अलिम खान

द्वितीय पुरस्कार- सुश्री प्रज्ञां प्रियदर्शिनी दाश

तृतीय पुरस्कार- श्री सुदीप्त कुमार गायन

प्रोत्साहन पुरस्कार- श्री बिष्नू चरण पात्रो

टिप्पण एवं प्रारूपण प्रतियोगिता

हिंदीभाषी वर्ग

प्रथम पुरस्कार -श्री सतीश

द्वितीय पुरस्कार -श्री राहुल

तृतीय पुरस्कार -सुश्री सुनीता मलिक

प्रोत्साहन पुरस्कार -श्री मुकेश कौशिक

प्रोत्साहन पुरस्कार -श्री श्यामवीर

हिंदीतर भाषी वर्ग

प्रथम पुरस्कार -श्री साजु वर्गीज़

वाद प्रतिवाद प्रतियोगिता

हिंदीभाषी वर्ग

प्रथम पुरस्कार - डॉ.मोनिका सैनी

द्वितीय पुरस्कार -डॉ .तारा

तृतीय पुरस्कार -डॉ .राजेश रंजन

प्रोत्साहन पुरस्कार -डॉ .रेखा मीणा

प्रोत्साहन पुरस्कार -डॉ .राजेश कुमार

हिंदीतर भाषी वर्ग

प्रथम पुरस्कार -डॉ .मिहिर कुमार मलिक

द्वितीय पुरस्कार -डॉ .एम .महापात्र

तृतीय पुरस्कार -डॉ .किरण रंगारी

प्रोत्साहन पुरस्कार -डॉ .सरताज

प्रोत्साहन पुरस्कार -डॉ .नितिन सी.पी.

श्रुतलेखन एवं शब्द ज्ञान प्रतियोगिता

प्रथम पुरस्कार -श्री नरेंद्र कुमार गुप्ता

द्वितीय पुरस्कार -श्री अमन कुमार झा

तृतीय पुरस्कार -सुश्री नेहा

प्रोत्साहन पुरस्कार -श्री उत्तम सिंह

प्रोत्साहन पुरस्कार -श्रीमती बीना राणा

डॉ .गणेश शंकर श्रीवास्तव द्वारा प्रशिक्षण व्याख्यान

संस्थान के हिंदी कक्ष के प्रभारी डॉ .गणेश शंकर श्रीवास्तव द्वारा 22 नवंबर, 2023 को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत भारतीय विदेश व्यापार संस्थान, नई दिल्ली में 'राजभाषा हिंदी के संवैधानिक प्रावधान एवं कंप्यूटर पर हिंदी का प्रयोग ' विषय पर एक प्रशिक्षण व्याख्यान दिया गया। इस अवसर पर भारतीय विदेश व्यापार संस्थान के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

उदारीकृत प्रोत्साहन योजना

संस्थान में सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रोत्साहन के लिए एक उदारीकृत प्रोत्साहन योजना लागू है। प्रतिवेदित अवधि में संस्थान के सरकारी कामकाज में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने संबंधी उदारीकृत प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत पुरस्कारों के चयन हेतु संस्थान के निदेशक के अनुमोदन से प्रोफेसर मनीष चतुर्वेदी की अध्यक्षता में एक उप -समिति गठित की गई थी, जिसमें डॉ . अंकुर यादव, डॉ. गणेश शंकर श्रीवास्तव , श्री सतीश गुप्ता एवं श्री एल हॉकीप सदस्य के रूप में सम्मिलित थे। वित्तीय वर्ष 2022-23 के पुरस्कार निर्धारण हेतु गठित उक्त उप-समिति की संस्तुति के आधार पर प्रतिभागी कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

उदारीकृत प्रोत्साहन योजना के पुरस्कृत प्रतिभागी	
श्री प्रेमपाल, उच्च श्रेणी लिपिक	प्रथम
श्री सतीश, अवर श्रेणी लिपिक	प्रथम
श्री मुकेश कुमार कौशिक, उच्च श्रेणी लिपिक	द्वितीय
श्रीमती मीना कुमारी, उच्च श्रेणी लिपिक	द्वितीय
श्री राम सिंह रावत, उच्च श्रेणी लिपिक	द्वितीय
श्री जगदीश सिंह रावत, सहायक	तृतीय

राजभाषा सम्मेलन का आयोजन

23 फरवरी, 2024 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, दक्षिण दिल्ली- 03 के अंतर्गत राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान , भारतीय जनसंचार संस्थान , केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद , आईआईटी दिल्ली, अंचल परियोजना के संयुक्त तत्वावधान में राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया गया। आयोजन के प्रथम सत्र में राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के निदेशक प्रोफेसर धीरज शाह , केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. सुभाष कौशिक , केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी निदेशक श्री राजेश कुमार , भारतीय जनसंचार संस्थान के पाठ्यक्रम निदेशक प्रोफेसर आनंद प्रधान , राजभाषा विभाग के उपनिदेशक श्री कुमार पाल शर्मा अतिथि के रूप में उपस्थित थे। नराकास के सदस्य-सचिव डॉ. पवन कौंडल ने सभी अतिथियों का स्वागत-अभिनंदन किया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के निदेशक प्रोफेसर धीरज शाह ने 'नराकास और राजभाषा : भविष्य की राह ' विषय पर अपना संबोधन दिया। इस अवसर पर संस्थान के संकाय सदस्य डॉ. अंकुर यादव एवं नराकास के विभिन्न सदस्य कार्यालयों के प्रतिभागी उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. गणेश शंकर श्रीवास्तव ने किया।

सम्मेलन के अन्य सत्रों में श्रीमती अंशुली आर्या , सचिव , राजभाषा विभाग , श्री भूपेन्द्र कैंथौला , प्रधान महानिदेशक एवं प्रेस रजिस्ट्रार आरएनआई , प्रो. कुमुद शर्मा , उपाध्यक्ष , साहित्य अकादमी , डॉ. सच्चिदानंद जोशी, सदस्य सचिव , आईजीएनसीए, डॉ. अनुपमा भटनागर , महानिदेशक, आईआईएमसी, डॉ. बुद्ध चंद्रशेखर , एआईसीटीई तथा प्रो. गोविंद सिंह आदि ने शिरकत की। कार्यक्रम के उदघाटन सत्र का सफल संचालन श्री अंकुर विजय वर्गीय ने किया।

(प्रस्तुति: डॉ. गणेश शंकर श्रीवास्तव, प्रभारी, हिंदी कक्ष)

हिंदी पखवाड़ा पुरस्कार वितरण समारोह की प्रतिष्ठित मीडिया प्रतिष्ठानों द्वारा कवरेज

डीडी न्यूज़
DD NEWS

Home | National | राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली में हिंदी पखवाड़ा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली में हिंदी पखवाड़ा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

30-09-2023 | 2:55 pm

नई दिल्ली के मुनिरका स्थित राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में हिंदी पखवाड़ा पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक प्रोफेसर धीरज शाह ने की एवं मुख्य अतिथि के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के अंतर्राष्ट्रीय प्रभाग के निदेशक प्रोफेसर जितेंद्र श्रीवास्तव उपस्थित रहे. समारोह में हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया.

संस्थान के निदेशक प्रोफेसर धीरज शाह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सभी को अपना अधिकाधिक कार्य हिंदी में करना चाहिए. उन्होंने कहा कि हिंदी अपनी भाषा है, इसके प्रयोग में कतई झिझक न करें.

इस अवसर पर पधारे मुख्य अतिथि प्रोफेसर जितेंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि राजभाषा हिंदी में कार्य करना न सिर्फ हमारा संवैधानिक दायित्व है, अपितु नैतिक कर्तव्य भी है. उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन के समय से ही हिंदी की महती भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि हिंदी में ही वह क्षमता है, जो समस्त देश को एक सूत्र में पिरो सकती है. प्रोफेसर जितेंद्र ने यह भी कहा कि हिंदी को राजभाषा बनाने से अन्य भारतीय भाषाओं के अस्तित्व पर कोई संकट नहीं है बल्कि समस्त भारतीय भाषाएं एक दूसरे को समृद्ध करने का कार्य करती हैं.

कार्यक्रम प्रभारी डॉ. गणेश शंकर श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि के समक्ष हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित की गई विभिन्न गतिविधियों संबंधी रिपोर्ट प्रस्तुत की. संकाय प्रभारी डॉ. अंकुर यादव ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया.

हिंदी पखवाड़ा वितरण एवं समापन समारोह

नई दिल्ली। मुनिरका स्थित राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में हिंदी पखवाड़ा पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक प्रोफेसर धीरज शाह ने की एवं मुख्य अतिथि के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के अंतरराष्ट्रीय प्रभाग के निदेशक प्रोफेसर जितेंद्र श्रीवास्तव उपस्थित थे। समारोह में हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. गणेश शंकर श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि के समक्ष हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित की गई विभिन्न गतिविधियों संबंधी रिपोर्ट प्रस्तुत की। संकाय प्रभारी डॉ. अंकुर यादव ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

हिंदी पुरस्कार वितरण समारोह

मुनिरका स्थित राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में हिंदी पखवाड़ा पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक प्रोफेसर धीरज शाह ने की एवं मुख्य अतिथि के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के अंतर्राष्ट्रीय प्रभाग के निदेशक प्रोफेसर जितेंद्र श्रीवास्तव उपस्थित थे। समारोह में हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर धीरज शाह ने संबोधित करते हुए कहा कि सभी को अपना अधिकाधिक कार्य हिंदी में करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंदी अपनी भाषा है और इसके प्रयोग में कतई झिझक न करें। इस अवसर पर पधारे मुख्य अतिथि प्रोफेसर जितेंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि राजभाषा हिंदी में कार्य करना न सिर्फ हमारा संवैधानिक दायित्व है, अपितु नैतिक कर्तव्य भी है। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन के समय से ही हिंदी की महती भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि हिंदी में ही वह क्षमता है जो समस्त देश को एक सूत्र में पिरो सकती है। प्रोफेसर जितेंद्र ने यह भी कहा कि हिंदी को राजभाषा बनाने से अन्य भारतीय भाषाओं के अस्तित्व पर कोई संकट नहीं है बल्कि समस्त भारतीय भाषाएं एक दूसरे को समृद्ध करने का कार्य करती हैं। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. गणेश शंकर श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि के समक्ष हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित की गई विभिन्न गतिविधियों संबंधी रिपोर्ट प्रस्तुत की। संकाय प्रभारी डॉ. अंकुर यादव ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

हिंदी कवि सम्मेलन की प्रतिष्ठित मीडिया संस्थानों दवारा कवरेज

डीडी न्यूज़
DD NEWS

Home | National | राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली में हिंदी कवि सम्मेलन का आयोजन

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली में हिंदी कवि सम्मेलन का आयोजन

30-09-2023 | 3:55 pm

नई दिल्ली के मुनिरका स्थित राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में एक भव्य हिंदी कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया. इस सम्मेलन में कई प्रतिष्ठित कवियों शंभू शिखर, उपेंद्र पांडे और डॉ.गणेश श्रीवास्तव 'ऋषि' ने अपनी कविताओं से श्रोताओं का मन मोह लिया.

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रोफेसर धीरज शाह ने हिंदी के प्रसिद्ध कवि अशोक चक्रधर को उद्धृत करते हुए सभागार में उपस्थित श्रोताओं को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि संस्थान में हिंदी गतिविधियों के अंतर्गत कवि सम्मेलन का आयोजन प्रारंभ करना एक महत्वपूर्ण शुरुआत है. प्रोफेसर शाह ने कहा कि कविता मनुष्य की भावनाओं की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम होती है, कविता के माध्यम से मनुष्य के व्यवहार का परिष्कार भी होता है. कवि सम्मेलन में हास्य व्यंग्य के सशक्त हस्ताक्षर लोकप्रिय कवि शंभू शिखर ने श्रोताओं को हंसा-हंसाकर लोटपोट कर दिया. शंभू शिखर ने सुनाया,

"वादा जो करो उसको तो इतना न निभाना, पड़ जाए काम उल्टा फिर कुछ न बताना; बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ तो ठीक है, भूल से भी पत्नी को एसडीएम न बनाना"

कवि डॉ. गणेश श्रीवास्तव 'ऋषि' ने गीत-गजल एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़ी संवेदनशील रचनाएं सुनाकर श्रोताओं का मन मोह लिया. डॉ. गणेश श्रीवास्तव 'ऋषि' ने सुनाया,

"जब भी मैं सफल-असफल हो जाता हूं, मैं, मैं नहीं रहता गजल हो जाता हूं; गम-ए-जुदाई का घूंट कैसे पिया जाएगा, सुई से ज्यों आसमां को सिया जाएगा."

वीर रस के जनप्रिय कवि उपेंद्र पांडे ने ओज और शौर्य की कविताएं सुना कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया. उपेंद्र पांडे ने सुनाया,

"निगाहें झुकती सजदें में वहां सम्मान क्या होगा? वतन पर जान लुटाने से बड़ा बलिदान क्या होगा? सरहदों पर न्योछावर कर के खुद को बस कहा इतना, तिरंगा खुद

"निगाहें झुकती सजदें में वहां सम्मान क्या होगा? वतन पर जान लुटाने से बड़ा बलिदान क्या होगा? सरहदों पर न्योछावर कर के खुद को बस कहा इतना, तिरंगा खुद लिपटकर नेह दे आराम क्या होगा?"

कार्यक्रम का संचालन डॉ. मोनिका सैनी ने अत्यंत रचनात्मक ढंग से किया. धन्यवाद ज्ञापन संकाय प्रभारी डॉ. अंकुर यादव ने दिया. संस्थान के निदेशक प्रोफेसर धीरज शाह ने पौधे एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर कवियों का अभिनंदन किया. कार्यक्रम में प्रोफेसर मनीष चतुर्वेदी सहित संस्थान के संकाय सदस्य, स्टाफ एवं आसपास के संस्थानों से पधारे श्रोतागण और मीडियाकर्मी उपस्थित रहे.

खान के खिलाफ एफआईए के बढ़ा दिया गया था। | में पाकिस्तानी सुरक्षा एजेंसियों मानवाधिकार उल्लंघन को उजागर को भी उजागर किया गया है।

कविता भावनाओं की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम : प्रोफेसर धीरज शाह

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में हुआ कवि सम्मेलन

सहजसत्ता संवाददाता

नई दिल्ली । मुनिरका स्थित राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में एक भव्य हिंदी कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में देश के प्रतिष्ठित कवियों श्री शंभू शिखर, श्री उपेंद्र पांडे और डॉ.गणेश श्रीवास्तव 'ऋषि' ने अपनी कविताओं से श्रोताओं का मन मोह लिया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रोफेसर धीरज शाह ने हिंदी के कुछेक बड़े कवियों को उद्धृत करते हुए सभागार में उपस्थित श्रोताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा संस्थान में हिंदी गतिविधियों के अंतर्गत कवि सम्मेलन का आयोजन प्रारंभ करना एक महत्वपूर्ण शुरुआत है। प्रोफेसर शाह ने कहा कि कविता मनुष्य की भावनाओं की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम होती है, कविता के माध्यम से मनुष्य के व्यवहार का परिष्कार भी होता है। कवि सम्मेलन में हास्य व्यंग्य के सशक्त हस्ताक्षर लोकप्रिय कवि शंभू शिखर ने श्रोताओं को हंसा- हंसा कर लोटपोट कर दिया।

शंभू शिखर ने सुनाया,

'वादा जो करो उसको तो इतना न निभाना,
पड़ जाए काम उल्टा फिर कुछ न बताना,
बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ तो ठीक है,
भूल से भी पत्नी को एसडीएम न बनाना।।'

संवेदनशील कवि डॉ. गणेश श्रीवास्तव 'ऋषि' ने गीत-गजल एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़ी संवेदनशील रचनाएं सुनाकर श्रोताओं का मन मोह लिया।

डॉ. गणेश श्रीवास्तव 'ऋषि' ने सुनाया,

'जब भी मैं सफल-असफल हो जाता हूं।
मैं, मैं नहीं रहता गजल हो जाता हूं।।'
'गम-ए-जुदाई का घूंट कैसे पिया जाएगा।
सुई से ज्यों आसमां को सिया जाएगा।।'

वीर रस के जनप्रिय कवि उपेंद्र पांडे ने ओज और शौर्य की कविताएं सुना कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

उपेंद्र पांडे ने सुनाया,

'निगाहें झुकती सजदें में वहाँ सम्मान क्या होगा ?
वतन पर जाँ लुटाने से बड़ा बलिदान क्या होगा ?
सरहदों पर न्योछावर कर के खुद को बस कहा इतना ।
तिरंगा खुद लिपटकर नेह दे आराम क्या होगा ?

कार्यक्रम का संचालन डॉ. मोनिका सैनी ने अत्यंत रचनात्मक ढंग से किया। धन्यवाद ज्ञापन संकाय प्रभारी डॉ. अंकुर यादव ने दिया। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर धीरज शाह ने पौधे एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर कवियों का अभिनंदन किया। कार्यक्रम में प्रोफेसर मनीष चतुर्वेदी सहित संस्थान के संकाय सदस्य, स्टाफ एवं आसपास के संस्थानों से पधारे श्रोतागण और मीडियाकर्मी उपस्थित थे।

मुनिरका में कवि सम्मेलन का आयोजन

नई दिल्ली। मुनिरका स्थित राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में बृहस्पतिवार को कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें शंभू शिखर, उपेंद्र पांडे व डॉ गणेश श्रीवास्तव 'ऋषि' मौजूद रहे। इन्होंने अपनी कविताओं से श्रोताओं का मन मोह लिया। इस दौरान गीत-गजल, हास्य व्यंग व रचनाएं भी सुनाई गईं। संस्थान के निदेशक प्रो. धीरज शाह ने कहा कि इस संस्थान में हिंदी गतिविधियों के अंतर्गत कवि सम्मेलन का आयोजन प्रारंभ करना एक महत्वपूर्ण शुरुआत है। कविता मनुष्य की भावनाओं की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम होती है। संवाद

कविताओं से श्रोताओं को गुदगुदाया

नई दिल्ली। मुनिरका स्थित राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में हिंदी कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में प्रतिष्ठित कवियों शंभू

शिखर, उपेंद्र पांडे और डॉ. गणेश श्रीवास्तव 'ऋषि' ने अपनी कविताओं से श्रोताओं को खूब गुदगुदाया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रोफेसर धीरज शाह ने हिंदी के कुछेक बड़े कवियों को उद्धृत करते हुए श्रोताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि संस्थान में हिंदी गतिविधियों के अंतर्गत कवि सम्मेलन का आयोजन प्रारंभ करना एक महत्वपूर्ण शुरुआत है। कविता मनुष्य की भावनाओं की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम होती है, कविता के माध्यम से मनुष्य के व्यवहार का परिष्कार भी होता है।संवेदनशील कवि डॉ. गणेश श्रीवास्तव 'ऋरूिए' ने गीत–गजल एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़ी संवेदनशील रचनाएं सुनाकर श्रोताओं का मन मोह लिया। वीर रस के जनप्रिय कवि उपेंद्र पांडे ने ओज और शौर्य की कविताएं सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मोनिका सैनी ने अत्यंत रचनात्मक ढंग से किया। धन्यवाद ज्ञापन संकाय प्रभारी डॉ. अंकुर यादव ने दिया।

कल्याण संस्थान में एक भव्य हिंदी कवि सम्मेलन का आयोजन

मुनिरका स्थित राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में एक भव्य हिंदी कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में देश के प्रतिष्ठित कवियों श्री शंभू शिखर, श्री उपेंद्र पांडे और डॉ.गणेश श्रीवास्तव ऋषि ने अपनी कविताओं से श्रोताओं का मन मोह लिया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रोफेसर धीरज शाह नेहिंदी के कुछेक बड़े कवियों को उद्धृत करते हुए सभागार में उपस्थित श्रोताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा संस्थान में हिंदी गतिविधियों के अंतर्गत कवि सम्मेलन का आयोजन प्रारंभ करना एक महत्वपूर्ण शुरूआत है। प्रोफेसर शाह ने कहा कि कविता मनुष्य की भावनाओं की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम होती है, कविता के माध्यम से मनुष्य के व्यवहार का परिष्कार भी होता है कवि सम्मेलन में हास्य व्यंग्य के सशक्त हस्ताक्षर लोकप्रिय कवि शंभू शिखर ने श्रोताओं को हंसा- हंसा कर लोटपोट कर दिया। शंभू शिखर ने सुनाया,

वादा जो करो उसको तो इतना न निभाना,
पड़ जाए काम उल्टा फिर कुछ न बताना,
बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ तो ठीक है,
भूल से भी पत्नी को एसडीएम न बनाना।।

संवेदनशील कवि डॉ. गणेश श्रीवास्तव ऋषि ने गीत-गजल एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़ी संवेदनशील रचनाएं सुनाकर श्रोताओं का मन मोह लिया। डॉ. गणेश श्रीवास्तव ऋषि ने सुनाया,

जब भी मैं सफल-असफल हो जाता हूं।
मैं, मैं नहीं रहता गजल हो जाता हूं।
गम-ए-जुदाई का घूंट कैसे पिया जाएगा।
सुई से ज्यों आसमां को सिया जाएगा।।

वीर रस के जनप्रिय कवि उपेंद्र पांडे ने ओज और शौर्य की कविताएं सुना कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।उपेंद्र पांडे ने सुनाया,

निगाहें झुकती सजदें में वहाँ सम्मान क्या होगा?
वतन पर जाँ लुटाने से बड़ा बलिदान क्या होगा?
सरहदों पर न्योछावर कर के खुद को बस कहा इतना।
तिरंगा खुद लिपटकर नेह दे आराम क्या होगा?

कार्यक्रम का संचालन डॉ. मोनिका सैनी ने अत्यंत रचनात्मक ढंग से किया। धन्यवाद ज्ञापन संकाय प्रभारी डॉ. अंकुर यादव ने दिया।

संस्थान के निदेशक प्रोफेसर धीरज शाह ने पौधे एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर कवियों का अभिनंदन किया। कार्यक्रम में प्रोफेसर मनीष चतुर्वेदी सहित संस्थान के संकाय सदस्य, स्टाफ एवं आसपास के संस्थानों से पधारे श्रोतागण और मीडियाकर्मी उपस्थित थे।